

(२) बचाना है मनुष्य को हो जाने से।

(अ) पेड़ (ब) नदी ☒ (क) जंगल

(३) अभी तो हमें जाना है बाहर, को रखेगा कौन?

(अ) बूढ़ों (ब) बड़ों ☒ (क) बच्चों

(४) के नाम पर नहीं था, खून का छिड़काव।

(अ) भाषा ☒ (ब) धर्म (क) प्रांत

(आ) निम्नलिखित में से कोई एक पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(४)

‘रहिमन’ जिह्वा बावरी, कहिगी सरग पाताल।

आपु तो कहि भीतरि रही, जूती खात कपाल ॥

प्रश्न :

(१) प्रस्तुत दोहा किसका है?

(२) जिह्वा कैसी है?

(३) स्वर्ग-पाताल की बातें कौन करता है?

(४) किसे जूते खाने पड़ते हैं?

अथवा

(आ) जो घर में हो कोई वृद्धा -

खाना ज्यादा अच्छा पकता है,

पर्दे-पेटीकोट और पायजामे भी दर्जी और रफूगरों के

मुहताज नहीं रहते,

सजा-धजा रहता है घर का हर कमरा।

प्रश्न :

(१) प्रस्तुत पद्यांश किस कविता का है?

(२) किस घर का खाना अच्छा पकता है?

(३) पर्दे किसके मुहताज नहीं रहते हैं?

(४) घर का हर कमरा कैसा रहता है?